दैनिक पत्रिका, भोपाल

26 APR 2010

वन मंत्री लंदन से लौटे

प्रदेश के वन उत्पादों की लंदन में सराहना

भोपाल, 25 अप्रैल (ब्यूरो)
लंदन का ओलंपिया हाल पिछले पखवाड़े मध्यप्रदेश के हर्बल व वन उत्पादों तथा कच्चे माल से सुसज्जित रहा और इसने दुनिया भर के लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। इन उत्पादों को हर वर्ग की सराहना मिली।

वन मंत्री सरताज सिंह ने रविवार को यहा जानकारी दी और बताया कि लन्दन में 'नेचुरल एण्ड आर्गेनिक प्रोडक्ट्स-यूरोप 2010 प्रदर्शनी' में रखे गए मध्यप्रदेश के इन उत्पादों को को काफी सराहा गया है। प्रदर्शनी में आए अनेक आगन्तुकों ने इन उत्पादों के लाभ में ग्रामीणों को भागीदार बनाने की मध्यप्रदेश की पहल के प्रति प्रसन्नता भी व्यक्त की।

लंदन से शनिवार रात को भोपाल लौटे वन मंत्री ने बताया कि प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश के मण्डप को इग्लैण्ड, जर्मनी, जापान, अमरीका आदि देशों के आगन्तुकों ने विशेष रूप से देखा और मध्यप्रदेश के सुगंधित तेलों, हर्बल चाय एवं औषधीय महत्व के कच्चे माल के प्रति विशेष रुचि दिखाई। इन आगन्तुकों से प्रदर्शनी स्थल पर ही व्यापारिक गतिविधि शुरू करने के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा की गई। वन मंत्री ने बताया कि पत्राचार एवं ई-मेल के माध्यम से इस पहल को आगे बढ़ाया जाएगा। संभावना है कि जल्दी ही इसके परिणाम भी मिलेंगे।

भारत से केवल मप्र

वन मंत्री ने बताया कि भारत से केवल मप्र के उत्पाद ही इस प्रदर्शनी में प्रस्तुत किए गए। इसके लिए भारत शासन के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय ने सहायता प्रदान की। प्रदेश के दल में मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज संघ के प्रबंध संचालक आर.के. दवे, मुख्य वन संरक्षक, छिंदवाडा वृत्त जी. कृष्णमूर्ति तथा मध्यप्रदेश राज्य औद्योगिक केन्द्र विकास निगम, जबलपुर के प्रबंध संचालक आर.के चौरसिया शामिल थे। प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज संघ एवं इसकी विभिन्न इकाइयों के अतिरिक्त ओरछा हर्बल्स, भोपाल, प्रकृति सोपनट्स, स्वयं सिद्धा क्रिएशंस तथा तेजस्विनी ट्रेडर्स एण्ड हर्बल्स प्रोडक्ट्स ने भी अपने सुगंधित तेल, हर्बल चाय, औषधीय उत्पाद, कच्चे औषधीय उत्पाद, लाख, सलई गोंद आदि उत्पादन प्रस्तुत किए।

विशेष चर्चा

सरताज सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी के दौरान लंदन स्थित मेडिसिन्स एण्ड हेल्थ केयर प्रोडक्ट्स रेगुलेटरी एजेंसी के पदाधिकारी से इन देशों में हर्बल एवं अन्य प्राकृतिक उत्पादों के संबंध में प्रचलित नियमों एवं रेग्युलेशन तथा प्रतिबंधों के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। यह विचार-विमर्श भी किया गया कि इन नियमों के अंतर्गत किस प्रकार अनुमतियां प्राप्त कर अधिक से अधिक उत्पाद इंग्लैण्ड एवं यूरोपीय देशों को निर्यात किए जा सकते हैं।

जर्मन संस्था का आश्वासन

उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में जर्मनी की सुगंधित उत्पादों की एक संस्था ने सुगंधित तेलों एवं लाख में रुचि दर्शायी है तथा शीघ्र संपर्क करने का आश्वासन दिया है। प्रदर्शनी के दौरान अनेक शोधकर्ताओं ने भी मध्यप्रदेश के इन उत्पादों में रुचि दिखाई और इनके बारे में जानकारी हासिल की। इन देशों में हो रहे शोध में इन उत्पादों की अधिक से अधिक भागीदारी से इनकी इन देशों में लोकप्रियता को बढ़ावा मिलेगा, जिनका सीधा लाभ भारत एवं विशेष रूप से मध्यप्रदेश के उत्पादों को होगा। लंदन स्थित कई भारतीयों ने इस प्रदर्शनी की सराहना की और इन उत्पादों के इंग्लैण्ड एवं यूरोप में विपणन के लिए हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। प्रदर्शनी के समापन के उपरांत भी लन्दन स्थित व्यापारियों से हर्बल एवं अन्य प्राकृतिक कच्चे माल के इंग्लैण्ड तथा यूरोप में निर्यात के लिए पृथक-पृथक चर्चा भी की गई।

यूरोप की सबसे बड़ी प्रदर्शनी

यह प्रदर्शनी 11 एवं 12 अप्रैल को ओलम्पिया हाल में हुई, जो प्राकृतिक एवं आर्गेनिक उत्पादों के लिए यूरोप की सबसे बड़ी प्रदर्शनी है। इसमें अमरीका, इंग्लैण्ड, चीन, जर्मनी, फ्रांस, कनाडा, आस्ट्रेलिया, हालैण्ड, स्पेन, न्यूजीलैण्ड, इटली सहित विश्व भर के 30 देशों के लगभग 500 प्रदर्शकों ने भाग लिया।

सप्ताह भर अधिक लगा

वन मंत्री और तीन अधिकारियों के प्रदर्शनी से 18 अप्रैल को लौटना था, लेकिन यूरोप में ज्वालामुखी की समस्या के कारण उड़ानें बंद रहने से वे वही फंस गए। सप्ताह भर बाद उड़ानें शुरू होने पर मंत्री शनिवार को दिल्ली और दिल्ली से जेट विमान से भोपाल पहुंच पाए।

गेहूं खरीद में लापरवाही पर चार को जेल

भोपाल, 25 अप्रैल (ब्यूरो)
डिण्डोरी जिले की शहपुरा की सहकारी समिति और कृषि उपज मंडी के चार कर्मचारियों को जेल भेज दिया गया है। इन कर्मचारियों पर काश्तकारों के गेंहू को खरीदने में लापरवाही बरतने का आरोप था।

कलेक्टर बी. चन्द्रशेखर के निर्देश पर सहकारी समिति के प्रबंधक गंगा चरण चौकसे, लिपकीय सहायक माधव प्रसाद झारिया एवं मूलचंद तिवारी और कृषि उपज मंडी लिपिक बोधन राजपूत को जेल भेज दिया गया है।

कलेक्टर ने शनिवार को गेंहू उपार्जन केन्द्र, सहकारी समिति और कृषि उपज मंडी का औचक निरीक्षण किया था, जिसमें गेहूं खरीदी की अब तक की प्रगति शून्य पाई गई। कलेक्टर ने इस पर गंभीर असंतोष व्यक्त किया और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को संबंधित कर्मचारियों को जेल भेजने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने किसानों से अपील की है कि वे अपना गेहूं केवल निर्धारित उपार्जन केन्द्रों पर ही बेचें।